



CHAMAN LAL MAHAVIDYALAYA, LANDHAURA,
MANGLAUR ROAD, HARIDWAR.(AUTONOMOUS)
AFFILIATED

SRI DEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY, BADSHAHITHAUL, TEHRI GARHWAL, UTTARAKHAND



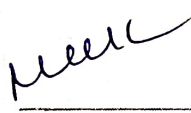
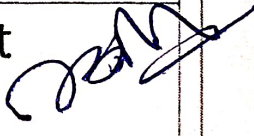
NATIONAL EDUCATION POLICY-2020
STRUCTURE OF UG SYLLABUS
HINDI
2025-26

(DR. PRENNA ZANDGY)

**CHAMAN LAL MAHAVIDHYALAYA, LANDHAURA,
MANGLAUR ROAD, HARIDWAR.(AUTONOMOUS)
AFFILIATED**

SRI DEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY, BADSHAHITHAUL, TEHRI GARHWAL, UTTARAKHAND

List of Members of Board of Studies

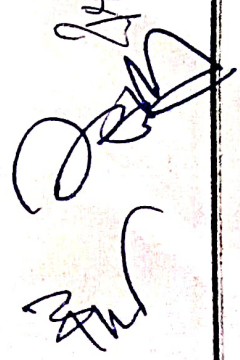
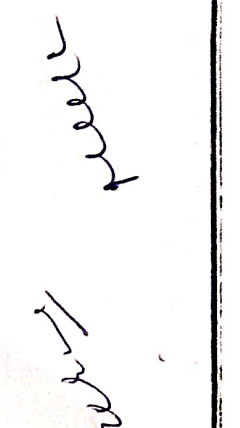
Sl. No.	Name of the Members	Designation	Nominated as
1.	Dr.Meera Chourasia	Asst. Professor (Head)	Convener 
2.	Dr. Prerna Pandey	Asst. Professor	Expert 
3.	Dr. Ajeet Tomar	Asst. Professor	Expert 
4.	Shri Ashutosh Sharma	Asst. Professor	Member 
5.	Saloni	Alumini	Member

अनुक्रमणिका

01	प्रश्नपत्रों की सूची		
02	Programme Specific Outcomes (PSOs)		
03	प्रथम सत्रार्थ	कोर्स	क्रेडिट
	• प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य	DSC ¹	4
	हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास (आदिकाल एवं भक्तिकाल)	GE ¹	4
04	द्वितीय सत्रार्थ	कोर्स	क्रेडिट
	हिन्दी कथा साहित्य	DSC ²	4
	हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास (ऐतिहासिक एवं आधुनिक काल)	GE ²	4
05	तृतीय सत्रार्थ	कोर्स	क्रेडिट
	ऐतिहासिक काव्य	DSC ³	4
	हिन्दी निबन्ध	DSE ¹	4
	लोक साहित्य	GE ³	4
	चतुर्थ सत्रार्थ	कोर्स	क्रेडिट
06	काव्यांग विवेचन	DSC ⁴	4
	स्मारक साहित्य	DSE ²	4

Dr. [Signature] well

अनुवाद : सिद्धांत और स्वरूप	GE 7	4
आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	DSE 5	4
अनुवाद : सिद्धांत और स्वरूप	GE 7	4
हिन्दी पत्रकारिता	GE 8	4
Dissertation on Major	Dissertation	6
Dissertation on Minor	Dissertation	6
Academic Project/ Entrepreneurship	Dissertation	6
10 अष्टम सत्रार्थ	कोर्स	क्रेडिट
पाश्चात्य काव्यशास्त्र	DSC 8	4
हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	DSE 8	4
हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिककाल)	DSE 9	4
आधुनिक काव्य (छायावाद तक)	DSE 10	4
हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	DSE 8	4
हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिककाल)	DSE 9	4
आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं और सिद्धांत	GE 9	4
हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	DSE 8	4
आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं और सिद्धांत	GE 9	4
विशिष्ट अध्ययन : कवीर	GE 10	4

	Dissertation on Major	Dissertation	6
	Dissertation on Minor	Dissertation	6
	Academic Project/ Entrepreneurship	Dissertation	6
11	नवम सत्रार्द्ध	कोर्स	क्रेडिट
	लोक साहित्य	DSC 9	4
	हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य	DSE 11	4
	निबन्ध एवं स्मारक साहित्य	DSE 12	4
	भाषा विज्ञान	DSE 13	4
	हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य	DSE 11	4
	निबन्ध एवं स्मारक साहित्य	DSE 12	4
	गढ़वाली साहित्य	GE 11	4
	हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य	DSE 11	4
	गढ़वाली साहित्य	GE 11	4
	गढ़वाली भाषा	GE 12	4
	Dissertation on Major	Dissertation	6
	Dissertation on Minor	Dissertation	6
	Academic Project/ Entrepreneurship	Dissertation	6
12	दशम सत्रार्द्ध	कोर्स	क्रेडिट

Dr. [Signature] null

(4)

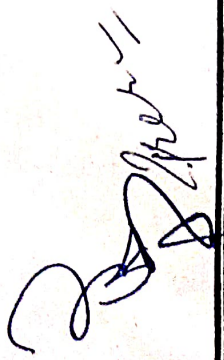
(5)

भारतीय साहित्य	DSC ¹⁰	4
उत्तराखंड के हिंदी कवि	DSE ¹⁴	4
उत्तराखंड के हिंदी कथाकार	DSE ¹⁵	4
आधुनिक हिन्दी काव्य - छायावादोत्तर	DSE ¹⁶	4
उत्तराखंड के हिंदी कवि	DSE ¹⁴	4
उत्तराखंड के हिंदी कथाकार	DSE ¹⁵	4
विशिष्ट अध्ययन : प्रेमचन्द	GE ¹³	4
उत्तराखंड के हिंदी कवि	DSE ¹⁴	4
विशिष्ट अध्ययन : प्रेमचन्द	GE ¹³	4
विशिष्ट अध्ययन : सूरदास	GE ¹⁴	4
Dissertation on Major	Dissertation	6
Dissertation on Minor	Dissertation	6
Academic Project/ Entrepreneurship	Dissertation	6





List of all Papers in Ten Semester Semester-wise Titles of the Papers in HINDI						
Year	Sem.	Course Code	Paper Title	Theory/ Practical	Credits	
Undergraduate Certificate in Multidisciplinary Study -HINDI						
FIRST YEAR	I	DSC 1	प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य	Theory	4	
		GE 1	हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास (आदिकाल एवं भक्तिकाल)	Theory	4	
	II	DSC 2	हिन्दी कथा साहित्य	Theory	4	
		GE 2	हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास(रीतिकाल एवं आधुनिक काल)	Theory	4	
Undergraduate Diploma/Honours in Multidisciplinary Study -HINDI						
SECOND YEAR	III	DSC 3	रीतिकालीन काव्य	Theory	4	
		DSE 1	हिन्दी निबन्ध	Theory	4	
		GE 3	लोक साहित्य	Theory	4	
	IV	DSC 4	काव्यांग विवेचन	Theory	4	
		DSE 2	स्मारक साहित्य	Theory	4	
		GE 4	विज्ञान कथाएं	Theory	4	
Bachelor of in Multidisciplinary Study -HINDI						
	V	DSC 5	द्वितीयुगीन एवं छायावादी काव्य	Theory	4	
		DSE 3	छायावादोत्तर हिन्दी कविता	Theory	4	

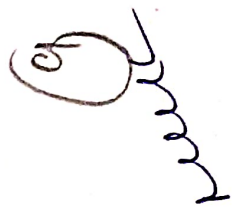





THIRD YEAR	VI	GE 5	सामान्य साहित्यिक सिद्धान्त	Theory	4
		LAPC 1	हिन्दी प्रोजेक्ट-1	Theory	4
		DSC 6	हिन्दी नाटक एवं एकांकी	Theory	4
		DSE 4	हिन्दी शोध-प्रविधि	Theory	4
		GE 6	राष्ट्रवादी हिन्दी काव्य	Theory	4
		LAPC 2	हिन्दी प्रोजेक्ट-2	Theory	4
		PG Diploma/Honours in the Core Subject- HINDI			
FOURTH YEAR	VII GROUP 1	DSC 7	भारतीय काव्यशास्त्र	Theory	4
		DSE 5	आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	Theory	4
		DSE 6	सगुण भक्ति काव्य एवं रीतिकालीन काव्य	Theory	4
		DSE 7	हिन्दी आलोचना अथवा हिन्दी शोध प्रविधि	Theory	4
	GROUP 2	DSE 5	आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	Theory	4
		DSE 6	सगुण भक्ति काव्य एवं रीतिकालीन काव्य	Theory	4
		GE 7	अनुवाद : सिद्धांत और स्वरूप	Theory	4
	GROUP 3	DSE 5	आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	Theory	4
		GE 7	अनुवाद : सिद्धांत और स्वरूप	Theory	4
		GE 8	हिन्दी पत्रकारिता	Theory	4
		Dissertation	Dissertation on Major	Theory	6
			Dissertation on Minor	Theory	
			Academic Project/ Entrepreneurship	Theory	

VIII	DSC 8	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	Theory	+
GROUP -1	DSE 8	हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	Theory	+
	DSE 9	हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिककाल)	Theory	+
	DSE 10	आधुनिक काव्य (आपावाद तक)	Theory	+
	DSE 8	हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	Theory	+
GROUP -2	DSE 9	हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिककाल)	Theory	+
	GE 9	आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं और सिद्धांत	Theory	+
	DSE 8	हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	Theory	+
GROUP -3	GE 9	आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं और सिद्धांत	Theory	+
	GE 10	विशिष्ट अध्ययन : कबीर	Theory	+
	Dissertation	Dissertation on Major	Theory	6
		Dissertation on Minor	Theory	
		Academic Project/ Entrepreneurship	Theory	
Master's in Core Subject- HINDI				
FIFTH YEAR	IX	लोक साहित्य	Theory	+
	GROUP -1	हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य	Theory	+
		निबन्ध एवं स्मारक साहित्य	Theory	+
		भाषा विज्ञान	Theory	+
	GROUP -2	हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य	Theory	+
		निबन्ध एवं स्मारक साहित्य	Theory	+
	DSE 12			

	GE 11	गढ़वाली साहित्य	Theory	4
	DSE 11	हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य	Theory	4
	GE 11	गढ़वाली साहित्य	Theory	4
	GE 12	गढ़वाली भाषा	Theory	4
	Dissertation	Dissertation on Major	Theory	6
		Dissertation on Minor	Theory	
		Academic Project/ Entrepreneurship	Theory	
	DSC 10	भारतीय साहित्य	Theory	4
	DSE 14	उत्तराखण्ड के हिंदी कवि	Theory	4
	DSE 15	उत्तराखण्ड के हिंदी कथाकार	Theory	4
	DSE 16	आधुनिक हिन्दी काव्य - छायावादोत्तर	Theory	4
	DSE 14	उत्तराखण्ड के हिंदी कवि	Theory	4
	DSE 15	उत्तराखण्ड के हिंदी कथाकार	Theory	4
	GE 13	विशिष्ट अध्ययन : प्रेमचन्द	Theory	4
	DSE 14	उत्तराखण्ड के हिंदी कवि	Theory	4
	GE 13	विशिष्ट अध्ययन : प्रेमचन्द	Theory	4
	GE 14	विशिष्ट अध्ययन : सूरदास	Theory	4
	Dissertation	Dissertation on Major	Theory	6
		Dissertation on Minor	Theory	
		Academic Project/ Entrepreneurship	Theory	


बहुविषयक अध्ययन पाठ्यक्रमों हेतु सातक/परासातक पाठ्यक्रम की रूपरेखा एवं प्रारूप (हिन्दी विषय का पाठ्यक्रम)

UG

Year	Sem	Core(DSC) Credit 4	Elective (DSE) / Credit 4	Generic Eletrive (GE) Credit 4	Ability Enhance ment Course(A EC) Credit 2	Skill Enhancemen t Course(SEC) Credit 2	Internship/Apprenticeship /Project/Community Outreach (IAPC) Credit 4	Value Addition Course(V AC) Credit 2	Total Credit
I	I	प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य	X	हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास (आदिकाल एवं भक्तिकाल)			X	--	
	II	हिन्दी कथा साहित्य	X	हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास(रीतिकाल एवं आधुनिक काल)			X	--	
II	III	रीतिकालीन काव्य	हिन्दी निबन्ध	लोक साहित्य			X	---	
	IV	काव्यांग विवेचन	स्मारक साहित्य	विज्ञान कथाएं			X	---	

(Signature)

well

3/10/20

III	V	द्वितीयुगीन एवं छायावादी काव्य	छायावादोत्तर हिन्दी कविता	सामान्य साहित्यिक सिद्धान्त	X		हिन्दी प्रोजेक्ट - I	---
	VI	हिन्दी नाटक एवं एकांकी	हिन्दी शोध-प्रविधि	राष्ट्रवादी हिन्दी काव्य	X		हिन्दी प्रोजेक्ट - II	---
PG								
IV	VII	DSC / Credit 4 भारतीय काव्यशास्त्र	DSE / Credit 4	DSE / Credit 4	DSE / Credit 4	Dissertation / 6 credits		
			आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	सगुण भक्ति काव्य एवं रीतिकालीन काव्य	हिन्दी अलोचना अपवा हिन्दी शोध प्रविधि	Dissertation on Major		
					OR			
			DSE / Credit 4	DSE / Credit 4	GE/ Credit 4			
			आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	सगुण भक्ति काव्य एवं रीतिकालीन काव्य	अनुवाद : सिद्धांत और स्वरूप	Dissertation on Minor		
					OR			

[Signature]

[Signature]

		DSE / Credit 4	GE/ Credit 4	GE/ Credit 4				
		आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	अनुवाद : सिद्धांत और स्वरूप	हिन्दी पत्रकारिता	Academic Project/ Enterprenu reshup			
VIII	DSC / Credit 4 पाश्चात्य कव्यशास्त्र	DSE / Credit 4	DSE / Credit 4	DSE / Credit 4	Dissertation /6 credits			
		हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिककाल)	आधुनिक काव्य (छायावाद तक)	Dissertation on Major			
		OR						
		DSE / Credit 4	DSE / Credit 4	GE/ Credit 4				
		हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिककाल)	आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं और सिद्धांत	Dissertation on Minor			
		OR						

अ/प्र

पूर्व

20/10/2021

[illegible]

2nd
 1st
 2nd

Programme Specific Outcomes (PSOs) (Undergraduate Programme) After this programme, the learners will

be able to:

PSO 1	शिक्षार्थी स्नातक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के अन्तर्गत DSC विषय के रूप में हिन्दी की प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा कथा साहित्य का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO 2	शिक्षार्थी स्नातक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के अन्तर्गत GSE विषय के रूप में हिन्दी साहित्य के इतिहास (आदिकाल से आधुनिककाल) का आधारभूत सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO 3	प्रथम वर्ष में शिक्षा में वाधा हो जाने की स्थिति में शिक्षार्थी हिन्दी तथा अन्य विषयों के साथ स्नातक प्रमाण-पत्र प्राप्त करेगा, जिसका लाभ उसे आजीविका प्राप्त करने में प्राप्त होगा।
PSO 4	शिक्षार्थी स्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अन्तर्गत DSC विषय के रूप में हिन्दी की रीतिकालीन कविता व काव्यों का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO 5	शिक्षार्थी स्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अन्तर्गत DSE विषय के रूप में हिन्दी निबंध एवं स्मारक साहित्य का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO 6	शिक्षार्थी स्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अन्तर्गत GSE विषय के रूप में लोक साहित्य एवं विज्ञान कथाओं का ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO 7	शिक्षा में वाधा हो जाने की स्थिति में शिक्षार्थी हिन्दी तथा अन्य विषयों के साथ स्नातक डिप्लोमा प्राप्त करेगा, जिसका लाभ उसे आजीविका प्राप्त करने में प्राप्त होगा।

(15)

[Handwritten signatures and initials]

PSO 8	शिक्षार्थी स्नातक उपाधि वर्ष पाठ्यक्रम के अन्तर्गत DSC विषय के रूप में हिन्दी की द्विवेदीयुगीन, छायावादों तथा हिन्दी नाटक एवं एकांकी का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO 9	शिक्षार्थी स्नातक उपाधि वर्ष पाठ्यक्रम के अन्तर्गत DSE विषय के रूप में छायावादोत्तर हिन्दी कविता एवं हिन्दी शोध प्रविधि का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO 10	शिक्षार्थी स्नातक उपाधि वर्ष पाठ्यक्रम के अन्तर्गत GE विषय के रूप में सामान्य साहित्यिक सिद्धांत एवं हिन्दी शोध प्रविधि का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO 11	शिक्षार्थी स्नातक उपाधि वर्ष पाठ्यक्रम IAPC के अन्तर्गत प्रोजेक्ट करते हुए शोध का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करेगा।

Programme Specific Outcomes (PSOs) PG Diploma/Honours/ Honours

PSO 1	शिक्षार्थी परास्नातक डिप्लोमा/ऑनर्स उपाधि पाठ्यक्रम के अन्तर्गत DSC विषय के रूप में भारतीय एवं पश्चात्य काव्यशास्त्र का आधारभूत एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO 2	शिक्षार्थी परास्नातक डिप्लोमा/ऑनर्स उपाधि पाठ्यक्रम के अन्तर्गत DSE विषय के रूप में आदिकालीन काव्य, ऐतिहासिक काव्य, हिन्दी आलोचना, छायावादों काव्य एवं हिन्दी साहित्य के इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल) का आधारभूत एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO 3	शिक्षार्थी परास्नातक डिप्लोमा/ऑनर्स उपाधि पाठ्यक्रम के अन्तर्गत GE विषय के रूप में अनुवाद : सिद्धांत और स्वरूप, हिन्दी पत्रकारिता, आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराओं एवं विशिष्ट अध्ययन के रूप में कबीर का आधारभूत एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO 4	शिक्षार्थी परास्नातक डिप्लोमा/ऑनर्स उपाधि पाठ्यक्रम के अन्तर्गत लघु शोध प्रबंध लेखन करते हुए शोध का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO 5	शिक्षार्थी परास्नातक उपाधि के लिए आधारभूत समवेशी ज्ञान तथा व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा।

Programme Specific Outcomes (PSOs)-MASTER'S IN HINDI After this programme, the learners able to;

[Handwritten signature]

PSO 1	शिक्षार्थी परास्नातक उपाधि पाठ्यक्रम के अन्तर्गत DSC विषय के रूप में लोक साहित्य और भारतीय साहित्य का आधारभूत एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।
PSO 2	शिक्षार्थी परास्नातक उपाधि पाठ्यक्रम के अन्तर्गत DSE विषय के रूप में हिंदी कथा एवं नाटक साहित्य, निबंध एवं स्मारक साहित्य एवं भाषा विज्ञान का आधारभूत एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO 3	शिक्षार्थी परास्नातक उपाधि पाठ्यक्रम के अन्तर्गत GE विषय के रूप में ग्रंथों/ली साहित्य, संस्कृत/भाषा, विशिष्ट अध्ययन के रूप में प्रेमचंद एवं सूरदास का आधारभूत एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO 4	शिक्षार्थी परास्नातक उपाधि पाठ्यक्रम के अन्तर्गत तृण शोध प्रबंध लेखन करते हुए शोध का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO 5	साहित्य ऐसा स्रोत है, जो समाज व उसकी दशा, गति, दिशा, उसके उद्वेलन आदि को राजीवता से चित्रित करता है। शिक्षार्थी परास्नातक स्तर पर हिन्दी साहित्य का अध्ययन करते हुए अपनी सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सामाजिक गत्यात्मकता की पहचान प्राप्त करता है।
PSO 6	हिन्दी साहित्य आदिकाल से भारत के इतिहासक्रम में मुस्लिमों के आगमन और तत्कालीन सामाजिक, समावेशीकरण/समांगीकरण राजव्यवस्था, धर्म, भक्ति के विभिन्न पंथ, सूफी, संत, नाथ, सिद्ध, निरुंग-सगुण, रीति, राज्याश्रयी श्रंगाराभिव्यक्ति आदि से लेकर आधुनिककाल की विभिन्न विचारधाराओं/आंदोलनों और अद्यतन इतरआधुनिक वैचारिक परिदृश्य तक एक सुदीर्घ-सुलेखित दस्तावेज की तरह है। शिक्षार्थी परास्नातक स्तर पर हिन्दी साहित्य के अध्ययन से साहित्य के साथ-साथ इन लम्बी परम्परा का भी ज्ञान प्राप्त करता है।
PSO 7	शिक्षार्थी साहित्य के पारंपरिक सांस्कृतिक आयामों के प्रति, नैतिक मूल्यों के प्रति सचेत होने के साथ-साथ इस महान भारतीय परम्परा के अग्रगामी आधुनिक स्वरूप का भी ज्ञान प्राप्त करता है।
PSO 8	भौतिकवादी जगत में निरन्तर बदलते जीवन मूल्यों से उपजी आस्था-अनास्था, आशा-निराशा, संगति-विसंगति आदि में जी रहे मानव समाज को सही दिशा निर्देश साहित्य ही करता है। शिक्षार्थी परास्नातक स्तर पर हिन्दी साहित्य का अध्ययन कर सही व सच्चे अर्थ में समुन्नत जीवनमूल्यों का धारक मनुष्य बनता है।
PSO 9	शिक्षार्थी संप्र लोक सेवा आयोग तथा राज्य लोक सेवा आयोगों की प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु विशिष्ट विषय के रूप में हिन्दी साहित्य का समग्र ज्ञान प्राप्त करता है।
PSO 10	शिक्षार्थी उच्चस्तरीय शोध एवं उच्चशिक्षा में अध्यापन हेतु आधारभूत ज्ञान तथा योग्यता प्राप्त करता है।

(18)

Signature: [Handwritten Signature]
Date: [Handwritten Date]

Undergraduate Certificate in Multidisciplinary Study - HINDI

SEMESTER - I

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC : प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य	4	3	1	0		Nil

Undergraduate Certificate in Multidisciplinary Study			Year: I	Semester: I Paper-DSC
Programme: -HINDI				
Course Code: DSC		Course Title: प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य		
Course Outcomes:				
CO1. शिक्षार्थी चंदबरदाई, जायसी व तुलसी के कृतित्व को समझने के क्रम में महाकाव्य विद्या का शिल्पगत परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।				
CO2. शिक्षार्थी आदिजननीन धीरकाव्य का ऐद्वैतनिक परिचय व ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।				
CO3. शिक्षार्थी निर्गुण काव्यधारा व भक्त साहित्य का ऐद्वैतनिक परिचय व ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।				
CO4. शिक्षार्थी भक्ति काव्यधारा, गुरु काव्यधारा तथा उसके अंतर्गत समर्पण तथा कृष्णभक्ति साधना के महत्वपूर्ण काव्य का ऐद्वैतनिक परिचय व ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।				

(9)

[Signature]

[Signature]

Credits: 4		Discipline Specific Course	
Unit	Topic	No. of Hours	
Unit I	प्राचीन हिन्दी काव्य : परिचय एवं इतिहास , भक्तिकालीन हिन्दी काव्य : भक्ति आन्दोलन, प्रमुख सिद्धांत, निर्गुण काव्य-ज्ञान मार्ग और प्रेम-मार्ग, रागुण काव्य-रामभक्ति, कृष्णभक्ति, सूफी काव्य	09	
Unit II	चन्द्रवंश और उनका काव्य : व्याख्या के लिए पृथ्वीराज रासो के पदगावती समय से चयनित अंश (पूरव दिसि गढ़ गढनपति से 'भिलहि राज प्रथिराज जिय' तक / छन्द संख्या 1-10/ (kavitakosh.org)	09	
Unit III	कबीर और उनका काव्य : व्याख्या के लिए राखी संख्या गुरुदेव को अंग-3.6.8, सुमिरन को अंग- 8.9.10, विरह को अंग-1.5.8, ज्ञान विरह को अंग-3.4.5; परचा को अंग-3.4.7, रस को अंग-1.4.7, लांघी को अंग-1.3.4; निहकर्म पतिव्रता को अंग-3.5.14; चितावनी को अंग-16.25.34) पद संख्या-16,40,43। (कबीर ग्रंथावली, सम्पादक-डॉ० श्यामसुन्दर दास)	09	
Unit IV	जायसी और उनका काव्य : व्याख्या के लिए 'मानसरोदक खण्ड' से कड़वक संख्या 4:1-4:8 (जायसी ग्रंथावली, सम्पादक-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल)	09	
Unit V	सूरदास और उनका काव्य : व्याख्या के लिए विनय के पद-(1.2.23, 24, 25, 39, 44, 45, 46, 52) सूरसागर सार, सम्पादक-डॉ० धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद। भ्रमर गीत-(6.7.11, 13, 23, 24, 25, 28, 34, 52, 64) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ग्रंथावली, भाग 5. ना० प्रचारिणी सभा, काशी।	09	
Unit VI	तुलसीदास और उनका काव्य : व्याख्या के लिए रामचरितमानस के अयोध्याकाण्ड स दोहा संख्या 125 से 131 तथा विनय पत्रिका से पद-संख्या - 88, 91, 105, 111, 115, 162, 172, 174, 198, 245।	09	
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	06	

सहायक ग्रंथ

1. प्राचीन और मध्यकालीन काव्य, संपादक- डॉ० ममता थपलियाल, डॉ० अंकिता बोरा, समय साक्ष्य प्रकाशन.
- 2- कबीर: एक नई दृष्टि- डॉ. खुवंश, लोकभारती, 15 एक, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद,
- 3- जायसी: एक नई दृष्टि- डॉ. खुवंश, लोकभारती, इलाहाबाद,
- 4- हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- 5- हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.
- 6- हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

SEMESTER - I

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/P Practice		
GE : हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास (आदिकाल एवं भक्तिकाल)	4	3	1	0		Nil

Undergraduate Certificate in Multidisciplinary Study

Programme: <u>HINDI</u>		Year: I	Semester: I Paper-GE
Course Code: <u>GE</u>		Course Title: हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास (आदिकाल एवं भक्तिकाल)	
Course Outcomes:			
CO1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आरम्भिक काल की कविता एवं भक्तिकाल का ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।			
CO2. शिक्षार्थी निर्गुण काव्यधारा व संत साहित्य का सैद्धान्तिक परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।			
CO3. शिक्षार्थी सूफी काव्यधारा, सगुण काव्यधारा तथा उसके अंतर्गत रामभक्ति तथा कृष्णभक्ति शाखा के महत्वपूर्ण काव्य का सैद्धान्तिक परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।			
Credits: 4		Generic Electives	
Unit	Topic		No. of Hours

(2)

[Handwritten signatures and initials]

Unit I	आदिकालीन एवं भक्तिकालीन हिन्दी काव्य : परिचय एवं इतिहास	12
Unit II	भक्ति आन्दोलन, प्रमुख सिद्धान्त, निर्गुण काव्य - ज्ञानमार्ग, प्रेममार्ग, सगुण काव्य - रामभक्ति, कृष्णभक्ति	12
Unit III	आदिकालीन प्रमुख कवि एवं रचनाएं	12
Unit IV	भक्तिकालीन प्रमुख कवि एवं रचनाएं	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

पाठ्यपुस्तक

1. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास, विधनाथ त्रिपाठी, ओरिएंट ब्लैकस्वॉन प्रकाशन।

सहायक ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. रीतिकाल - नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन
5. भक्ति और भक्ति आंदोलन : सेवा सिंह, आधार प्रकाशन, पंचकुला(हरियाणा)
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पादक डॉ. नगेन्द्र
7. भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार : गोपेश्वर सिंह, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

(2)

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

SEMESTER - II

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course		Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial/Practice		
DSC : हिन्दी कथा साहित्य	4	3	1	0	Nil

Undergraduate Certificate in Multidisciplinary Study

Programme: **HINDI**

Year: I Semester: II Paper-DSC

Course Code: DSC2 Course Title: हिन्दी कथा साहित्य

Course Outcomes:

- CO1. शिक्षार्थी हिन्दी की कथा परम्परा का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO2. शिक्षार्थी हिन्दी उपन्यास के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO3. शिक्षार्थी हिन्दी कहानी के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO4. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित उपन्यास के अध्ययन से उपन्यास विधा का शिल्पगत ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO5. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के आधार पर कहानी विधा का शिल्पगत ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO6. शिक्षार्थी कथा-साहित्य की समीक्षा का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4

Discipline Specific Course

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	हिन्दी में गद्य का आरम्भ : आधुनिककाल	10
Unit II	हिन्दी उपन्यास का उद्भव एवं विकास एवं शिल्प	10
Unit III	हिन्दी कहानी का उद्भव एवं विकास एवं शिल्प	10
Unit IV	कगार की आग : हिमांशु जोशी	10
Unit V	प्रतिनिधि हिन्दी कहानियाँ: उसने कहा था - चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, नमक का दोगा - प्रेमचंद, आकाशदीप - जयशंकर प्रसाद, पाजेब- जैनेन्द्र कुमार, पदार्थ- यशपाल, दोपहर का भोजन - अमरकान्त, वापसी - उषा प्रियंवदा	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

पाठ्यपुस्तक

1. कहानी सप्तक - संपादक: प्रो. नीरजा टंडन, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (ब्याख्या हेतु संकलित कहानियाँ)
2. कगार की आग : हिमांशु जोशी, भारतीय ज्ञानपीठ/वाणी प्रकाशन, दिल्ली

सहायक ग्रंथ

1. कहानी: नई कहानी- डॉ. नामवर सिंह, लोकभारती, 15-ए महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद,
2. हिंदी कहानी: पहचान और परख- इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास - इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कहानी: संवाद का तीसरा आयाम- बटरोही, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली,
5. कहानी की रचना-प्रक्रिया - परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, 15-ए महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद

(2)

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

SEMESTER - II

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course		Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial Practical/Practice		
GE: हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास (रीतिकाल एवं आधुनिककाल)	4	3	1	0	Nil

Undergraduate Certificate in Multidisciplinary Study

Programme: <u>HINDI</u>		Year: I	Semester: II Paper-GE
Course Code: <u>GE2</u>	Course Title: हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास (रीतिकाल एवं आधुनिककाल)		

Course Outcomes:

- CO1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के तीसरे काल रीतिकाल के विषय में ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO2. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO3. शिक्षार्थी आधुनिक काल के राजनीतिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक परिदृश्य का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO4. शिक्षार्थी आधुनिक काल में अस्तित्व में आए साहित्यिक आंदोलनों अथवा विशिष्ट धाराओं यथा छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद आदि का सैद्धान्तिक ज्ञान तथा नवीन रचना-शैली के आलोक में उनके प्रमुख रचनाकारों का परिचय प्राप्त करता है।

Credits: 4

Generic Electives

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	रीतिकाल : परिचय व इतिहास, रीतिकालीन काव्य की प्रवृत्तियाँ	12
Unit II	रीतिकालीन प्रमुख कवि एवं रचनाएं	12
Unit III	आधुनिक काल परिचय, इतिहास व प्रवृत्तियाँ	12
Unit IV	आधुनिक काल वर्गीकरण, विचार एवं प्रमुख रचनाकार	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

पाठ्यपुस्तक

1 हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास, विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरिएंट ब्लैक्सयान प्रकाशन।

सहायक ग्रंथ

1. रीतिकाव्य - नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी नवजागरण और महावीर प्रसाद द्विवेदी : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिन्दी उपन्यास का विकास : मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. हिन्दी कहानी का विकास : मधुरेश, , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

(2)

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

Undergraduate Diploma/Honours in Multidisciplinary Study - HINDI
SEMESTER - III

TEACHING HOURS - 60

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC : रीतिकालीन काव्य	4	3	1	0		Nil

Undergraduate Diploma/Honours in Multidisciplinary Study

Programme: <u>HINDI</u>	Year: II	Semester: III Paper-DSC
--------------------------------	-----------------	--------------------------------

Course Code: DSC	Course Title: रीतिकालीन काव्य
-------------------------	--------------------------------------

Course Outcomes:

- CO1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के तीसरे काल रीतिकाल के विषय में सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
CO2. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कविताओं के आधार पर रीतिकालीन कविता की कला और शिल्प का ज्ञान प्राप्त करता है।
CO3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित रीतिकालीन कवियों केशवदास, विहारी, देव, भूपण, सेनापति और घनानंद की कविताओं से परिचित होता है।

Credits: 4	Discipline Specific Course
-------------------	-----------------------------------

Unit	Topic	No. of Hours
-------------	--------------	---------------------

Unit I	संस्कृत : परिचय व इतिहास, रीतिकालीन काव्य की प्रवृत्तियाँ	09
Unit II	केशवदास - गंगो जगन्नी की उदारता रचानी जाए... पूरा पुराण अरु दुरुष पुराण पारे... पुनि आए राखू सोलह तें... पुन अन्त अन्त अन्त देव... सीता कैसोदास नीद भूख पास उपहास जास।	09
Unit III	देवहारी - मेरी भव बाधा हरी... गोर तुष्ट कटि काछनी... मोहन मूर्ति त्याग को... ताजे तीर्य हरि राधिका... सोने ऊँचत पख शख लगन... जोग जुगति तिखर सार... पिय विपुल को दुराह दुख... झीने पट ने सुलगुली... उरै ठोड़ी- गाड़ भन बटोही मारी... कीनै हूँ कोटिक जतन... सपन कुंज छाया तुल्य... विलोपी जोरी बुन... जगनु जतधि पतिव्रत भिन्त... सारै सुन्दर सारै रूप कुरुपु न कोरै... नही पराग नही मगर मरु...।	09
Unit IV	देव- डारि दुम-पलन विछौन नव-पल्लव के... फटिक सिलानी सौ सुधार्यो युधा मंदिर... इहारे इहारे जीनी बूँद है वरति जानो... दूतह को देखत हिए नै हलफूत है... भाखन सो मन रूप सो जोवन... प्रेम समुद्र पर्यो गहिर अभिमान के केन रह्यो गहि नै मन... प्रेम चरचा है अरचा है कुल नेमन रचा है... भाये नहावर को देखि महावर पाय तुलार दुरीये... नंद मही मोहक मरु सुगियत... नंद हास उदिका को मंदिर खदन चंद... मरति जो मनोहन की मनमोहनी के फिर है धिरकी...।	09
Unit V	धनानंद-यहै मुख्यानि... वहै मृदु बतरानि... ताजनि लपेटी वितवनि भेद भाव भरे... इतक अति सुन्दर आनन गोर... छवि को सदन मोद मंडित मदन... हीन भए जन भीन अपीन... यथौ हंसि हेरि हेरि हिया... तबरे रूप की सीति अनुर... धनजानन्द जीवन मूल सुजान की... आसा गुन बोंधि के।	09
Unit VI	सुख- एक सरो साजि के सब सैन रिकार को आतनगीर सिधार... भित्तिहि फुरख चकत्ता को गिराई कीन्ही... इति जंग पर... साजि चतुरंग सैन... राख के उपर ही छाड़ो रहिबै के जोग... गरुड को दावा जैसे नाम के समूह पर... दाने फहराने घहराने घटा गजन के... ताजनि लपेटी वितवनि... ऊँचे घोर मंदर के अंदर रहनवारी... त्रिगुन नै परसिए एक अरि बल वह छाडिय।	09
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	06

सहायक ग्रंथ

1. रीतिकाव्य - नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. मध्यकालीन वांग्य का स्वरूप- डॉ. हजारि प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. मध्यकालीन काव्य साधना- डॉ. वासुदेवसिंह, संजय बुक डिपो, वाराणसी।
4. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना - वचन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

(2)

SEMESTER - III

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course		Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial/Practical/P practice		
DSE : हिन्दी निबंध	4	3	1	0	Nil

Undergraduate Diploma/Honours in Multidisciplinary Study

Programme: HINDI	Year: II	Semester: III Paper-DSE
Course Code: DSE1	Course Title: हिन्दी निबंध	

Course Outcomes:

- CO1. शिक्षार्थी निबंध विधा के स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO2. शिक्षार्थी हिन्दी में निबंध विधा के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO3. शिक्षार्थी सामाजिक व साहित्यिक विषयों से निबंध के वैचारिक सम्बन्ध तथा अभिव्यक्ति का ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO4. शिक्षार्थी निबंध के प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO5. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित निबंधकारों/निबंधों के अध्ययन से विचार के क्षेत्र में मौलिक अभिव्यक्ति का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4	Discipline Specific Electives	
Unit	Topic	No. of Hours

Unit I	निबन्ध विधा - परित्यग, स्वरूप, शिल्प तथा प्रकार, उद्भव एवं विकास	12
Unit II	चालकृष्ण भट्ट (साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है)	8
Unit III	रामचन्द्रशुक्ल (कविता क्या है)	8
Unit IV	हजारी प्रसाद द्विवेदी (अशोक के फूल)	8
Unit V	हरिशंकर परसाई (पगडिडियों का जमाना)	8
Unit VI	विद्यानिवास मिश्र (अस्ति की पुकार)	8
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	8

पाठ्यपुस्तक

1. प्रतिनिधि हिंदी निबंध- संपादक: प्रो. नीला टंडन, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित नियन्त्र)

सहायक ग्रंथ

1. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार- डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, 23/4762, अंसरीरोड, दरियागंज, दिल्ली।

2. हिंदी साहित्य में निबंध और निबंधकार- डॉ. गंगाप्रसाद, रचना प्रकाशन, इलाहाबाद।

32

32

SEMESTER - III

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/P practice		
GE : लोक साहित्य	4	3	1	0		Nil

Undergraduate Diploma/Honours in Multidisciplinary Study

Programme: -HINDI

Year: II Semester-III Paper-GE

Course Code: GB3

Course Title: लोक साहित्य

Course Outcomes:

- CO1. शिक्षार्थी साहित्य के लोकपक्ष का ऐतिहासिक तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
CO2. शिक्षार्थी लोक साहित्य के स्वरूप, अध्ययन की प्रविधियों, संकलन प्रक्रिया आदि का प्रशिक्षण एवं ज्ञान प्राप्त करता है।
CO3. शिक्षार्थी लोक संस्कृति का ज्ञान प्राप्त करता है।
CO4. शिक्षार्थी लोकगीतों के स्वरूप, उनके सामाजिक-सांस्कृतिक स्रोतों तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।
CO5. शिक्षार्थी लोक नाट्य के स्वरूप, उसके सामाजिक-सांस्कृतिक स्रोतों तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।
CO6. शिक्षार्थी लोककथाओं के स्वरूप, उनके सामाजिक-सांस्कृतिक स्रोतों तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।
CO7. शिक्षार्थी लोकगाथाओं के स्वरूप, उनके सामाजिक-सांस्कृतिक स्रोतों तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।

Dr. Suman Singh

CO8. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित लोक साहित्य के अध्ययन द्वारा लोक का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4		Generic Electives	No. of Hours
Unit	Topic		
Unit I	लोक-साहित्य : परिभाषा, स्वरूप, लोक संस्कृति अध्ययन की प्रक्रिया, संकलन प्रविधि और समस्याएँ।		10
Unit II	लोक-गीत : अर्थ एवं स्वरूप, संस्कार-गीत, व्रत-गीत, श्रम परिहार-गीत, ऋतु-गीत।		10
Unit III	लोक-नाट्य : अर्थ एवं स्वरूप, विविध रूप-रामलीला, स्वांग, नौटंकी, जात्रा।		10
Unit IV	लोक-कथा : अर्थ एवं स्वरूप, प्रकार -व्रत-कथा, परीकथा, नाग-कथा, वीर-कथा, कथानक रूढ़ियाँ एवं अन्विष्टा।		10
Unit V	लोक-गाथा : अर्थ एवं स्वरूप, उत्पत्ति, परम्परा, सामान्य प्रवृत्तियाँ, प्रसिद्ध लोक-गाथाएँ-राजुला-मालुशाही अथवा वीरूरीतेली।		10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)		

पाठ्यपुस्तक

1. लोकसाहित्य-सम्पादक : प्रो. चन्द्रकला रावत, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी (ब्याख्या हेतु संकलित लोकसाहित्य)

सहायक ग्रंथ

1. लोक साहित्य की भूमिका : कृष्णदेव उपाध्याय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. लोक और शास्त्र - अन्वय और समन्वय : विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भारतीय लोक साहित्य : श्याम परमार, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
4. लोक साहित्य का अध्ययन : डॉ. चित्तेन्द्र गंगेश

(31)

SEMESTER - IV

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course		Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial		
DSC : काव्यांग विवेचन	4	3	1	0	Nil
Undergraduate Diploma/Honours in Multidisciplinary Study					
Programme: -HINDI		Year: II Semester: IV Paper-DSC			
Course Code: DSC4	Course Title: काव्यांग विवेचन				
Course Outcomes:					
CO1. शिक्षार्थी काव्यांग के अन्तर्गत रस के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।					
CO2. शिक्षार्थी काव्यांग के अन्तर्गत छंद के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।					
CO3. शिक्षार्थी काव्यांग के अन्तर्गत अलंकार के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।					
CO4. शिक्षार्थी काव्यांग के अन्तर्गत शब्द शक्ति के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।					
Credits: 4				Discipline Specific Course	
Unit	Topic				No. of Hours

Unit I	छंद - निम्नांकित छंदों के लक्षण एवं उदाहरण - दोहा, चौपाई, रोला, सोठा, सर्वया, बरवै, गीतिका, कवित्त	12
Unit II	अलंकार - निम्नांकित अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण - अनुप्रास, यमक, स्तैष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उल्लेखा, विभावना, संदेह, प्रतिमान, प्रतीप, अतिशयोक्ति, अन्योक्ति, समासोक्ति।	12
Unit III	रस : रसावयव - स्थायीभाव, विभाव, अनुभाव, संचारीभाव। रसभेद- शृंगार, हास्य, वीर, अद्भुत, करुण, रौद्र, वीमलस, भयानक, शांत, मक्ति, वात्सल्य - रसों के लक्षण एवं उदाहरण।	12
Unit IV	शब्दशक्तियों- शब्दशक्तियों का सामान्य परिचय - अभिधा, लक्षणा, व्यंजना।	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

पाठ्यपुस्तक

1. काव्यप्रदीप - रामयहोरी शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सहायक ग्रंथ-

1. काव्यांग विवेचन- डॉ. भगीरथ मिश्र एवं डॉ. बलभद्र तिवारी, स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद
2. रस, छंद, अलंकार- डॉ. केशवदत्त त्वात्ती, अल्फोंडा बुक डिपो, अयोध्या

(33)

महेश्वरी

SEMESTER - IV

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course		Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial Practical/P Practice		
DSE : स्मारक साहित्य	4	3	1	0	Nil

Undergraduate Diploma/Honours in Multidisciplinary Study

Programme: **HINDI**

Year: II Semester-IV Paper-DSE

Course Code: **DSE2**

Course Title: **स्मारक साहित्य**

Course Outcomes:

- CO 1. शिक्षार्थी को हिन्दी में स्मारक साहित्य लेखन परम्परा का ज्ञान होता है।
- CO 2 . शिक्षार्थी को स्मारक साहित्य के स्वरूप व उसकी विधाओं का ज्ञान प्राप्त होता है.
- CO3. शिक्षार्थी को महान साहित्यकारों के जीवन से जुड़ी घटनाओं को पढ़ने से उच्च जीवन मूल्यों की शिक्षा व प्रेरणा प्राप्त होती है।

(3)

Signature *BN* *Verul*

Credits: 4		Discipline Specific Electives	
Unit	Topic	No. of Hours	
Unit I	स्मारक साहित्य : अर्थ एवं स्वरूप, उद्भव एवं विकास	5	
Unit II	संस्मरण : तुम्हारी स्मृति-माखनलाल चतुर्वेदी, स्मरण का स्मृतिकार (रायकृष्ण दास) - अज्ञेय, दादा स्वर्गीय पं. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' डॉ. नगेन्द्र, निराला माई -महादेवी वर्मा रेखाचित्र : महाकवि जयशंकर प्रसाद -शिवपूजन सहाय, मकदूम बख्ता- सेठ गोविन्ददास, एक कुत्ता और एक मैना - हजारीप्रसाद द्विवेदी, ये हैं प्रोफेसर शशांक -विष्णुकान्त शास्त्री	20	
Unit III	जीवनी एवं आत्मकथा	10	
Unit IV	यात्रावृत्त एवं रिपोर्ताज	10	
Unit V	स्मारक साहित्य की अन्य विधाएँ	10	
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	5	

पाठ्यपुस्तक

1. स्मरण वीथिका- प्रो. निर्मला देला बोप, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी (ब्याख्या हेतु संकलित संस्मरण एवं रेखाचित्र)

सहायक ग्रंथ

1. हिंदी स्मारक साहित्य- डॉ. केशवदत्त खाली एवं डॉ. जगत सिंह विष्ट, तारामण्डल, अलीगढ़।
2. स्मारक साहित्य और उसकी विधाएँ- डॉ. निर्मला देला एवं डॉ. रेखा देला, ग्रंथायन, अलीगढ़।

(25)

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

SEMESTER – IV

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course		Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial		
GE : विज्ञान कथाएं	4	3	1	0	Nil

Undergraduate Diploma/Honours in Multidisciplinary Study

Programme: **HINDI**

Year: II Semester-IV Paper-GE

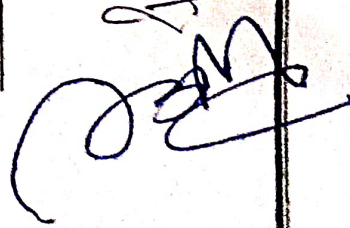
CourseCode: GE4 Course Title: विज्ञान कथाएं

Course Outcomes:

- CO1. शिक्षार्थी को हिन्दी में विज्ञान कथा लेखन विधा का ज्ञान होता है।
- CO2 . शिक्षार्थी में आधुनिक वैज्ञानिक चेतनासम्पन्न जीवनदृष्टि का विकास होता है।
- CO3. शिक्षार्थी को महान वैज्ञानिकों के जीवन तथा विज्ञान से जुड़ी कथाओं को पढ़ने से तर्कसम्मत जीवन मूल्यों की शिक्षा व प्रेरणा प्राप्त होती है।

(36)

well

Signature:  Date: 

Credits: 4		Generic Electives	
Unit	Topic		No. of Hours
Unit I	विज्ञान कथाएं – परिचय तथा संक्षिप्त इतिहास (मेरी प्रिय विज्ञान कथाएं – देवेंद्र मेवाड़ी)		15
Unit II	सम्यता की खोज (मेरी प्रिय विज्ञान कथाएं – देवेंद्र मेवाड़ी)		12
Unit III	खेम एण्डेस की डायरी (मेरी प्रिय विज्ञान कथाएं – देवेंद्र मेवाड़ी)		12
Unit IV	मिशन धूमकेतु (मेरी प्रिय विज्ञान कथाएं – देवेंद्र मेवाड़ी)		12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)		9

पाठ्यपुस्तक

1. मेरी प्रिय विज्ञान कथाएं – देवेंद्र मेवाड़ी, आधार प्रकाशन, पंचकूला, हरियाणा

सहायक ग्रंथ

1. भारतीय विज्ञान की कहानी, गुणाकर मुले, राजकमल प्रकाशन समूह

Bachelor of in Multidisciplinary Study- HINDI

SEMESTER - V

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC : द्विवेदीयुगीन एवं छायावादीकाव्य	4	3	1	0		Nil

Bachelor of in Multidisciplinary Study

Programme: HINDI

Year: III Semester: V Paper-DSC

Course Code: DSC⁵

Course Title: द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी काव्य

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी हिन्दी के द्विवेदी युग व नवजागरण काल के विषय में ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी हिन्दी कविता के छायावाद युग का ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी खड़ी बोली हिन्दी की आरम्भिक समर्थ काव्य-परम्परा का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित द्विवेदीयुगीन कविताओं के अध्ययन से तत्कालीन हिन्दी कविता के स्वरूप, महत्व तथा शिल्प का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित छायावादयुगीन कविताओं के अध्ययन से तत्कालीन हिन्दी कविता के स्वरूप, महत्व तथा शिल्प का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी आधुनिक कविता की समीक्षा का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Course	No. of Hours
Unit	Topic		
Unit I	द्विवेदी युगीन काव्य : युगीन प्रवृत्तियाँ, महत्व और संक्षिप्त इतिहास, काव्यभाषा, काव्यशिल्प, काव्यालोचना		10
Unit II	छायावादीकाव्य : युगीन प्रवृत्तियाँ, महत्व और संक्षिप्त इतिहास, काव्यभाषा, काव्यशिल्प और काव्यालोचना		10
Unit III	अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध (मौ की ममता, सब्जे देवते तथा साहसी)		6
Unit IV	भैरवीशरणगुप्त (पंचवटी)		6
Unit V	जयशंकर प्रसाद (औसू तथा गीत)		6
Unit VI	सुमित्रानंदन पंत (परिवर्तन तथा प्रथम रश्मि)		6
Unit VII	सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला (वंदना, जुही की कली तथा वह तोड़ती पत्थर)		6
Unit VIII	महादेवी वर्मा (गीत-धीरे धीरे उतर खिजि से, बीन भी है मैं)		5
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)		5

पाठ्यपुस्तक

1. द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी काव्य- संपादक: प्रो. चन्द्रकला रावत, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित कविताएँ)

सहायक ग्रंथ

1. छायावाद - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली
2. छायावाद और रहस्यवाद- गंगाप्रसाद पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
3. आधुनिक कविता यात्रा- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
4. निराता: मूल्यांकन- इन्द्रनाथ प्रदान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
5. पंत की काव्य भाषा- कान्ता पंत, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,

SEMESTER - V

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course		Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial/Practical		
DSE : छायावादोत्तर हिन्दी कविता	4	3	1	0	Nil

Bachelor of in Multidisciplinary Study

Programme: **HINDI**

Year: III

Semester: V Paper-DSE

Course Title: छायावादोत्तर हिन्दी कविता

Course Code: DSE3

Course Outcomes:

- CO 1. शिष्यार्थी छायावादोत्तर कविता का ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO 2. शिष्यार्थी आधुनिक हिन्दी कविता में प्रगतिवाद का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO 3. शिष्यार्थी आधुनिक हिन्दी कविता में प्रयोगवाद का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO 4. शिष्यार्थी आधुनिक हिन्दी कविता में नयी कविता का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO 5. शिष्यार्थी आधुनिक हिन्दी कविता में समकालीन कविता का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4

Discipline Specific Electives

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	छायावादोत्तर हिन्दी कविता की प्रमुख धाराएँ (प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता)	15
Unit II	समकालीन हिन्दी कविता : विविध विचार, काव्यप्रवृत्ति, विशेषताएँ, महत्व प्रमुख कवि	15
Unit III	कविताएँ एवं व्याख्या - 1 अजोय (कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला) 2. मुक्तिबोध (मूल-गलती, एक राग का राग) 3. नागार्जुन (कालिदास, अकाल और उसके बाद) 4. रामशेर बहादुर सिंह (सूना-सूना पय है उदास झरना, वह सलोना जिस्म) 5. कुँवर नारायण (नचिकेता) 6. भवानी प्रसाद मिश्र (कहीं नहीं बचे, गीतफरोश) 7. सर्वेश्वर दयाल सुक्सेना (मैंने कब कहा, हम ले चलेंगे) 8. केदारनाथ सिंह (रचना की आधी रात, फर्क नहीं पड़ता)	20
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

पाठ्यपुस्तक

1. छायावादोत्तर हिन्दी कविता- संपादक: प्रो. शिरीष कुमार चौधरी, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित कविताएँ)

सहायक ग्रंथ

1. नई कविताएँ : एक साक्ष्य- डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
2. नयी कविता: नये कवि- डॉ. विश्वम्भर मानव, लोकभारती, इलाहाबाद,
3. हिन्दी के आधुनिक कवि- डॉ. द्वारिकाप्रसाद सुक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा,
4. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ - नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
5. छायावादोत्तर हिन्दी कविता के प्रतिमान - प्रो. निर्मला देसा वोरा, आधार शिला प्रकाशन, हल्द्वानी

(5)

Signature *well*

SEMESTER - V

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : सामान्य साहित्यिक सिद्धांत	4	3	1	0		Nil

Bachelor of in Multidisciplinary Study

Programme: **HINDI**

Year: III Semester: V Paper-GE

Course Code: **GE^s**

Course Title: सामान्य साहित्यिक सिद्धांत

Course Outcomes:

- CO1- शिक्षार्थी को साहित्य के सामान्य सिद्धांतों का ज्ञान प्राप्त होता है।
 CO2- शिक्षार्थी को साहित्य के स्वरूप व विवेचन का ज्ञान प्राप्त होता है।
 CO3- शिक्षार्थी को काव्य/कविता के विश्लेषण व विवेचन का ज्ञान प्राप्त होता है।
 CO4- शिक्षार्थी को कथा साहित्य के विश्लेषण व विवेचन का ज्ञान प्राप्त होता है।

Credits: 4

Generic Electives

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	साहित्य का विवेचन (साहित्यालोचन – डॉ. श्यामसुन्दर दास)	15
Unit II	काव्य का विवेचन (साहित्यालोचन – डॉ. श्यामसुन्दर दास)	10

Unit III	कविता का विवेचन (साहित्यालोचन - डॉ. स्यामसुन्दर दास)	10
Unit IV	पौनर्वे अध्याय का सुंदर-छ गद्यकाव्य (साहित्यालोचन - डॉ. स्यामसुन्दर दास)	15
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc.)	10

पाठ्यपुस्तक

1. साहित्यालोचन- डॉ. स्यामसुन्दर दास, राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली

(13)

Dr. S. S. S. S.

well

AM

SEMESTER - VI

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 30

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course		Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial/Practical/Practice		
LAPC : हिन्दी प्रोजेक्ट-2	4	2	2		Nil

Bachelor of in Multidisciplinary Study

Programme: - Hindi

Year: III Semester: VI Paper- LAPC

Course Code: LAPC :

Course Title: हिन्दी प्रोजेक्ट-2

Course Outcomes:

- CO1. निवार्यो शोध के अर्थ, स्वरूप और महत्व का ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO2. निवार्यो भाषा और साहित्य की शोध प्रविधि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
- CO3. निवार्यो शोध प्रक्रिया का व्यावहारिक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
- CO4. निवार्यो शोध प्रबंध के लेखन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
- CO5. निवार्यो शोध के अकादमिक तथा सामाजिक उद्देश्य तथा महत्व का परिचय प्राप्त करता है।




SEMESTER - VI

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC : नाटक एवं एकांकी	4	3	1	0		Nil

Bachelor of in Multidisciplinary Study

Programme: **HINDI**

Year: III Semester: VI Paper-DSC

Course Code: DSC⁶ Course Title: नाटक एवं एकांकी

Course Outcomes:

- CO 1. शिक्षार्थी नाटक की भारतीय एवं पश्चात्य परम्पराओं का ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO 2. शिक्षार्थी नाटक के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO 3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित नाटक के अध्ययन के आधार पर नाट्य समीक्षा का ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO 4. शिक्षार्थी एकांकी की भारतीय एवं पश्चात्य परम्पराओं का ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO 5. शिक्षार्थी एकांकी के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO 6. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित एकांकियों के अध्ययन के आधार पर एकांकियों की समीक्षा का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4

Discipline Specific Course

Unit

Topic

No. of Hours

Unit I	नाटक : विद्यागतस्वरूप, उद्भव एवं विकास	12
Unit II	जयशंकर प्रसाद कृत ध्रुवस्वामिनी	12
Unit III	एकांकी : विद्यागतस्वरूप, उद्भव एवं विकास	12
Unit IV	चार एकांकी - (संपादक- देव सिंह पोखरिया)	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

पाठ्यपुस्तक

- 1 ध्रुवस्वामिनी (जयशंकर प्रसाद), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- 2 चार एकांकी - (संपादक- देव सिंह पोखरिया) अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी

सहायक ग्रंथ

1. कहानी नई कहाँ : नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. कथा की सैद्धान्तिकी : विनोद शाही, आधार प्रकाशन, पंचकूला (हरियाण)
3. नाटककार जयशंकर प्रसाद : सम्पादक- सत्येंद्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिन्दी एकांकी : सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

(10)

[Handwritten signature]

SEMESTER - VI

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/P practice		
DSE : हिन्दी शोध प्रविधि	4	3	1	0		Nil

Bachelor of in Multidisciplinary Study

Programme: -HINDI

Year: III Semester: VI Paper-DSE

Course Code: DSE4

Course Title: हिन्दी शोध प्रविधि

Course Outcomes:

- CO1- शिक्षार्थी को हिन्दी की शोध प्रविधि का परिचय प्राप्त होता है।
- CO2- शिक्षार्थी को अनुसंधान की अवधारणा, क्षेत्रों तथा प्रयोजन का ज्ञान प्राप्त होता है।
- CO3- शिक्षार्थी को अनुसंधान के प्रकार एवं पद्धतियों का आधारभूत ज्ञान प्राप्त होता है।
- CO4- शिक्षार्थी को अनुसंधान की रूपरेखा योजना तथा शोध प्रबंध लेखन का आधारभूत ज्ञान प्राप्त होता है।

Credits: 4

Discipline Specific Electives

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	अनुसंधान का स्वरूप, अवधारणा और उसके विविध क्षेत्र, अनुसंधान का प्रयोजन, अनुसंधान तथा जालोचना	10

50

Full

Signature

Unit II	अनुसंधान के प्रकार और उसकी पद्धतियाँ : ऐतिहासिक, भाषा वैज्ञानिक एवं शैली वैज्ञानिक, तुलनात्मक, समाजशास्त्रीय, अंतराधुनात्मिक, मनोवैज्ञानिक, काव्यशास्त्रीय, पाठानुसंधान एवं पाठालोचन	10
Unit III	साहित्यिक अनुसंधान की मूल-दृष्टि और उसके तत्व	8
Unit IV	अनुसंधान के चरण: विषय चयन, विषय की रूपरेखा (अध्याय योजना), सामग्री संकलन और उसका उपयोग, शोध साहित्य-समीक्षा	8
Unit V	शोधकार्य की प्राकल्पना, उद्देश्य, और महत्व	8
Unit VI	शोध प्रबंध लेखन: शोध प्रबंध की आंगिक व्यवस्था, सामग्री का विभाजन तथा संयोजन, उद्धरण तथा संदर्भ-उल्लेख, उपसंहार, परिशिष्ट, ग्रंथ सूची एवं अनुक्रमणिका	8
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	8

पाठ्यपुस्तक

1. अनुसंधान प्रविधि - सिद्धांत और प्रक्रिया- एस. एन. गणेशन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

(५०)

Handwritten signatures and initials:
 [Signature]
 [Signature]
 [Initials]

SEMESTER – VI

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : राष्ट्रवादी हिन्दी काव्य	4	3	1	0		Nil

Bachelor of in Multidisciplinary Study

Programme : HINDI

Year: III

Semester VI Paper-GE

Course Code: GE⁰

Course Title: राष्ट्रवादी हिन्दी काव्य

Course Outcomes:

- CO-1 विशिष्टों का एक नया भारतीय राष्ट्रवाद को ज्ञान प्राप्त होता है।
- CO-2 विशिष्टों हिन्दी के राष्ट्रवादी काव्य धारा का ज्ञान प्राप्त होता है।
- CO-3 विशिष्टों न राष्ट्रवाद की अवधारणा का विकास होता है।

Credits: 4

Generic Electives

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	राष्ट्रवाद की अवधारणा, राष्ट्रवादी कवि	3

Dr. P. K. Singh

Unit II	भैरिलीशरण गुप्त (आरम्भिक दो कविताएं)	8
Unit III	सुभद्राकुमारी चौहान (आरम्भिक दो कविताएं)	8
Unit IV	सोहनलाल द्विवेदी (आरम्भिक दो कविताएं)	8
Unit V	माखनलाल चतुर्वेदी (आरम्भिक दो कविताएं)	8
Unit VI	बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' (आरम्भिक दो कविताएं)	8
Unit VII	रामधारी सिंह दिनकर (आरम्भिक दो कविताएं)	8
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	4

पाठ्यपुस्तक

1. कलम आज उनकी जय बोल (हिन्दी के राष्ट्रवादी कवि), विक्रम सेन सिंह, राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली

Handwritten signature and text:
 Dr. ...
 ...
 ...

हिन्दी विभाग

SEMESTER - I

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 30

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course		Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial		
AEC : हिन्दी भाषा : व्याकरण(खंड- अ)	2	1	0	Class XII	Nil

Undergraduate Diploma in Multidisciplinary Study

Programme: - Hindi

Year: I Semester-I Paper-AEC

Course Code: AEC

Course Title: हिन्दी भाषा : व्याकरण(खंड- अ)

Learning Objectives :

1. हिन्दी वर्णमाला के अक्षरों को पहचानना और लिखना।
2. वाक्यों में विराम चिह्नों का उपयोग करना।
3. विराम चिह्नों के नियमों को समझना और विराम चिह्नों के बिना लेखन की कठिनाइयों को समझना।
4. वर्तनी विरलपण की प्रक्रिया को समझना।

Handwritten signature and initials

5. परिभाषिक शब्दों की परिभाषा और उनके अर्थ और उपयोग को समझना।

Learning Outcomes:

1. शिक्षार्थी हिन्दी भाषा की वर्णमाला, वर्णों के उच्चारण एवं वर्गीकरण का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।
2. शिक्षार्थी हिन्दी भाषा के व्यावहारिक प्रयोजनार्थ वर्तनी एवं शब्दों के मानक स्वरूप का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।
3. शिक्षार्थी व्यावहारिक प्रयोजनार्थ शुद्ध लेखन हेतु विराम चिह्न एवं उनके प्रयोग का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।
4. शिक्षार्थी कार्यालयी प्रयोजनार्थ परिभाषिक -प्रतिपरिभाषिक शब्दों के प्रयोग का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	वर्ण विचार - हिंदी वर्णमाला: स्वर और व्यंजन, वर्णों का उच्चारण और वर्गीकरण	6
Unit II	हिंदी-वर्तनी: हिंदी वर्तनी का मानकीकरण, शब्द और वर्तनी-विश्लेषण, वर्तनी विषयक अशुद्धियों और उनका शोधन।	6
Unit III	विरामचिह्न और उनका प्रयोग।	6
Unit IV	परिभाषिक शब्द : तात्पर्य, परिभाषा	6
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	6

Suggested Readings :

1. हिंदी व्याकरण की सत्तल पद्धति, वर्तनाथ कपूर वाराणसी : विश्वविद्यालय प्रकाशन चौक।
2. हिंदी व्याकरण, कामता प्रसाद गुरु इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन।
3. हिंदी व्याकरण विमर्श, तेजपाल चौधरी, नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन।
4. हिंदी भाषा: कल आज कल, पूरन चंद्र टंडन, मुंबई अग्रवाल, किताबघर : नई दिल्ली।
5. मानक हिंदी व्याकरण और रचना, हरिवंश तरुण, प्रकाशन संस्थान : नई दिल्ली।
6. हिंदी भाषा की संरचना, भोलानाथ तिवारी, नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन।
7. हिंदी भाषा का आधुनिकीकरण, कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन: नई दिल्ली।
8. अच्छी हिंदी, रामचन्द्र वर्मा, इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन।
9. हिंदी शब्दानुशासन, किशोरीदास वाजपेयी, वाराणसी : नागरी प्रचारिणी सभा।
10. हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, नई दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन।

1-

Signature

am

हिन्दी विभाग

SEMESTER - II

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 30

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practice		
ACE: हिन्दी भाषा : व्याकरण (खंड-ब)	2	1	0	1	AEC HINDI IN SEMESTER I	Nil

Undergraduate Diploma in Multidisciplinary Study

Programme: - Hindi

Year: I Semester: II Paper: AEC

Course Code: AEC

Course Title: हिन्दी भाषा : व्याकरण (खंड-ब)

Learning Objectives :

1. शब्दों का निर्माण करना और उनके अर्थ समझना।
2. शब्दों के अर्थ और उनके विभिन्न उपयोगों को समझना।
3. वाक्यों का निर्माण करना और उनकी रचना समझना।
4. शब्द रचना और वाक्य रचना का उपयोग करके लेखन कौशल विकसित करना।

Dr. P. S. Singh

Learning Outcomes:

1. शिक्षार्थी को व्यावहारिक-व्यावसायिक प्रयोजनार्थ हिन्दी भाषा की अत्यन्त समृद्ध शब्द सम्पदा तथा उसकी समहार- समायोजन शक्ति का ज्ञान होता है।
2. शिक्षार्थी व्यावहारिक प्रयोजनार्थ शुद्ध लेखन हेतु हिन्दी की वाक्य-संरचना एवं व्याकरण का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	शब्द विचार : व्याकरण के आधार पर शब्दों का वर्गीकरण	8
Unit II	हिंदी शब्द रचना- समास, संधि, उपसर्ग, प्रत्यय, रचना के आधार पर शब्द भेद- स्वर, यौगिक, योगस्वर; इतिहास के आधार पर- तत्सम, तद्भव, देशी, देशज, विदेशी और संकर शब्द। अर्थ के आधार पर पर्यायवाची, विलोम और अनेकार्थी शब्द।	8
Unit III	वाक्यरचना, वाक्य-भेद, वाक्य-शुद्धि।	8
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	6

Suggested Readings :

1. हिंदी व्याकरण की सरल पद्धति, वद्रीनाथ कपूर वाराणसी : विश्वविद्यालय प्रकाशन चौक।
2. हिंदी व्याकरण, कामता प्रसाद गुरु इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन।
3. हिंदी व्याकरण विमर्श, तेजपाल चौधरी, नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन।
4. हिंदी भाषा की संरचना, भोलानाथ तिवारी, नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन।
5. हिंदी भाषा का आधुनिकीकरण, कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन: नई दिल्ली।
6. अच्छी हिंदी, रामचन्द्र वर्मा, इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन।
7. हिंदी शब्दानुशासन, किशोरदास वाजपेयी, वाराणसी : नागरी प्रचारिणी सभा।
8. हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, नई दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन।

Signature
Dr. Ravi

हिन्दी विभाग

SEMESTER - III

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 30

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course		Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial		
AEC: हिन्दी भाषा : स्वरूप (खंड- अ)	2	1	0	1 AEC HINDI IN SEMESTER II	Nil

Undergraduate Certificate in Multidisciplinary Study

Programme: - Hindi

Course Code: AEC

Course Title: हिन्दी भाषा : स्वरूप (खंड- अ)

Year: II Semester: III
Paper: AEC

Learning Objectives :

1. हिन्दी भाषा की उत्पत्ति और विकास को समझना।
2. हिन्दी भाषा की शैली को समझना।
3. हिन्दी भाषा के विभिन्न वांछनी रूपों को समझना।
4. हिन्दी भाषा के महत्व और उसके विभिन्न उपयोगों को समझना।

Learning Outcomes:

Signature
well

1. शिक्षार्थी को हिन्दी भाषा के विस्तृत व समृद्ध इतिहास व विकास का ज्ञान होता है।

2. शिक्षार्थी को हिन्दी की शैलियों यथा हिन्दी, हिन्दुस्तानी व उर्दू का ज्ञान होता है, जो भाषा के व्यावहारिक प्रयोग में काम आता है।

3. शिक्षार्थी को हिन्दी की बोलियों का ज्ञान होता है, जिसके आधार पर वह अपने भाषा संस्कारों को समृद्ध करता है तथा सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी का प्रयोग अधिक दुरालता के साथ कर पाता है।

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	हिंदी भाषा का उद्भव और विकास।	8
	हिंदी की शैलियाँ (उर्दू, रेखा, हिंदवी, हिंदुस्तानी, दक्खिनी)	8
Unit II	हिंदी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ- 1 पश्चिमी हिंदी(खड़ी बोली, हरियाणवी, ब्रज, कन्नौजी, बुंदेली) 2 पूर्वी हिंदी(अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी) 3 राजस्थानी (मेवाती, मालवी, जयपुरी, मारवाड़ी) 4 बिहारी(मगही, मैथिली, मोजपुरी) 5 पहाड़ी पूर्वी- नेपाली, मध्यवर्ती- कुमाउनी, गढ़वाली, पश्चिमी- हिमाचली)।	8
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	6

Suggested Readings :

- 1 डॉ. केशवदत्त खाली- हिंदी भाषा: प्रथम भाग, हिंदी भाषा: द्वितीय भाग
2. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा- हिंदी भाषा का इतिहास।
3. डॉ. मोलानाथ तिवारी- हिंदी भाषा।
4. डॉ. देवेन्द्र नाथ शर्मा - हिंदी भाषा का विकास।
5. डॉ. कैलाश चंद्र भाटिया- प्रशासन में राजभाषा का स्वरूप और विकास।
6. डॉ. पूरनचंद्र टण्डन- व्यावहारिक हिंदी।

Signature: _____
Date: _____

हिन्दी विभाग

SEMESTER - IV

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 30

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course		Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial Practice		
AEC: हिन्दी भाषा : स्वरूप (खंड- ब)	2	1	0	1 AEC HINDI IN SEMESTER III	Nil

Undergraduate Certificate in Multidisciplinary Study

Programme: - Hindi

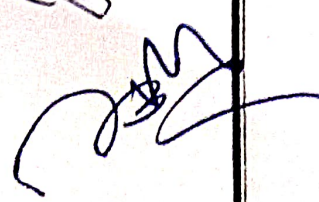
Year: II Semester: IV
Paper: AEC

Course Code: AEC

Course Title: हिन्दी भाषा : स्वरूप (खंड- ब)

Learning Objectives :

1. राजभाषा, राष्ट्रभाषा, मानकभाषा, सम्पर्कभाषा, माध्यम भाषा की परिभाषा और उसके महत्व को समझना।
2. राजभाषा, राष्ट्रभाषा, मानकभाषा, सम्पर्कभाषा, माध्यम भाषा के कार्यों और उसके उपयोग को समझना।
3. राजभाषा, राष्ट्रभाषा, मानकभाषा, सम्पर्कभाषा, माध्यम भाषा के सामने आने वाली चुनौतियों को समझना।
4. न्यू मीडिया की परिभाषा और उसके महत्व को समझना।

Prepared by:  Date: 

5. न्यू मीडिया में हिंदी के उपयोग और उसके महत्व को समझना।
6. देवनागरी लिपि के अक्षरों और उनके उपयोग को समझना।
7. देवनागरी लिपि के अंकों और उनके उपयोग को समझना।

Learning Outcomes:

1. शिक्षार्थी को राजभाषा के रूप में हिंदी की संवैधानिक स्थिति का ज्ञान होता है, जिसकी आवश्यकता उसे सरकारी सेवाओं में होती है।
2. शिक्षार्थी कंप्यूटर व इंटरनेट की तकनीक में हिंदी के प्रयोग का आंशिक ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।
3. शिक्षार्थी देवनागरी लिपि एवं अंकों का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	राजभाषा, राष्ट्रभाषा, मानकभाषा, समर्कभाषा, माध्यम भाषा	8
Unit II	हिंदी और न्यू मीडिया।	8
Unit III	देवनागरी लिपि एवं अंक।	8
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	6

Suggested Readings :

1. डॉ. केशवदत्त स्वामी- हिंदी भाषा: प्रथम भाग, हिंदी भाषा: द्वितीय भाग
2. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा- हिंदी भाषा का इतिहास।
3. डॉ. मोलानाथ तिवारी- हिंदी भाषा।
4. डॉ. देवेंद्र नाथ शर्मा - हिंदी भाषा का विकास।
5. डॉ. कल्लाश चंद्र माटिया- प्रशासन में राजभाषा का स्वरूप और विकास।
6. डॉ. पूरुषोत्तम टण्डन- व्यावहारिक हिंदी।

[Handwritten signature]